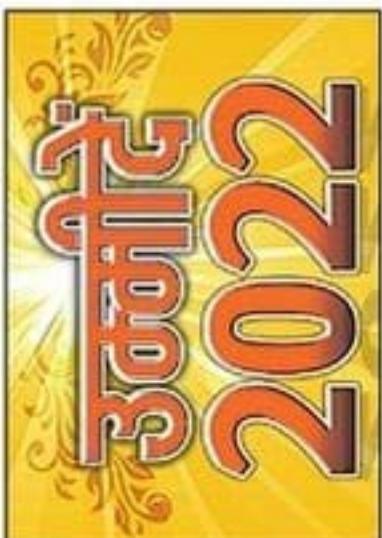


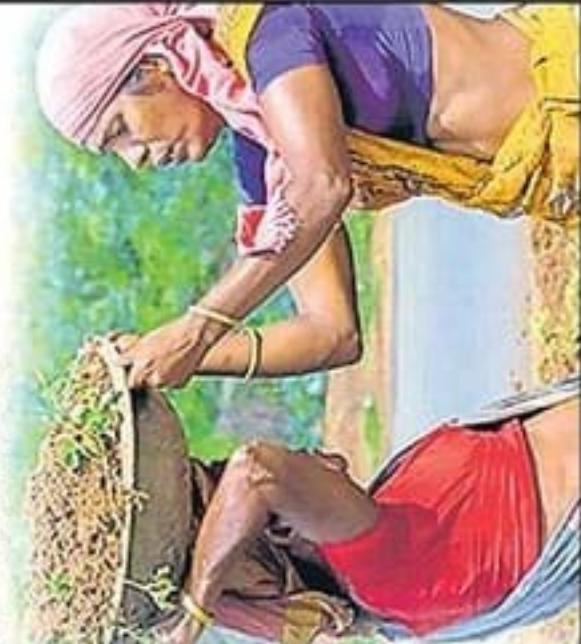
इनका उद्देश्य देश में व्यापार करना आसान बनाना और 29 कानूनों को बढ़ाना है।

उपचार दोनों की सेवाएँ



संहिता व्यापार सुगमता में योगदान करेंगी

कर्मचारियों और नियोक्ताओं में धन सूजन में भागीदार होने की भावना लिंकित होने से श्रम उत्पादकता में सुधार होने की संभावना है। श्रमिकों के मुआवजे, कर्मचारी अधिकारों और नियोक्ता कर्तव्यों की स्थग परिवर्षाओं और अनुपालन को आसान बनाने वाली श्रम संहिताओं के चलते एक 'पारदर्शी' वातावरण तैयार होगा, जिससे निवेश-आकर्षित होने की काफी संभावनाएँ हैं।



नई दिल्ली | जगदीश शेट्टीगिर और पूजा निशा

वित्त वर्ष 2022-23 में चार नई श्रम संहिता लागू होने की संभावना है। श्रम एक समवर्ती विषय होने के साथ, राज्य इन सुधारों के लिए मसौदा नियमों को पूर्व-प्रकाशित करने की प्रक्रिया में है। विशेषज्ञों की राय है कि यह चार श्रम संहिता देश में इंज औफ डुंडुग बिजेस के लिए काफी कारगर होंगी। नई श्रम संहिताओं का उद्देश्य देश में व्यापार करना आसान बनाना और 29 बोलिल कानूनों को बदलना है।

इसका उद्देश्य 50 करोड़ से अधिक संगठित और असंगठित क्षेत्रों को 24 राज्यों ने पूर्व-प्रकाशित कर शामिल है।

इन संहिताओं का लक्ष्य

प्रस्तावित श्रम संहिताओं के अनुसार, कुल भर्तों जैसे मकान किराया, छुट्टी, यात्रा आदि को वेतन के 50% तक सीमित किया जाना है, जबकि मूल वेतन शेष 50% होना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप एक निश्चित वर्ग को कम वेतन कम हो जाएगा, लेकिन सेवानिवृति निधि में उनका योगदान बढ़ जाएगा। प्रति दिन 12 घंटे के कार्य समय की अनुमति के साथ चार-दिवसीय कार्य सप्ताह भी कंपनियां लागू कर सकती हैं।

कितने हैं श्रम कानून?

इन चार श्रम संहिताओं में 29 श्रम कानूनों का सरलीकरण होना काफी महत्वपूर्ण होगा। देश में वर्तमान में कई श्रम कानूनों का जाल है। इसमें 40 से अधिक केंद्रीय कानून और 100 राज्य कानून शामिल हैं। दूसरे राज्य श्रम आयोग (2002) ने इन्हें सरल बनाने की सिफारिश की थी।

ये होंगे बदलाव

• हपते में 3 दिन मिल सकता है साप्ताहिक अवकाश, लेकिन बड़े जांगों काम के घंटे • 15 मिनट ज्यादा किया काम तो मिलेगा ओवरटाइम • पांच घंटे बाद मिलेगा आधे घंटे का ब्रेक • घट जाएगा हाथ में आने वाला वेतन • भविष्य निधि खाते में बढ़ेगा अंशदान • ग्रेड्युटी के लिए दोगुना करेंगा पैसा।

ग्रेड